

ख़बर संक्षेप

ग्राम गोंझीरैयत में एक पेड़ माँ के नाम अंतर्गत किया गया पौधारोपण

मण्डला। ग्राम पंचायत गोंझीरैयत में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति गोंझीरैयत एवं नवांकुर संस्था के संयुक्त तत्वावधान में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जन अभियान परिषद के सलाहकार शिवनारायण पटेल ने कहा कि जिस प्रकार भगवान शिव ने सृष्टि को बचाने के लिए विष का पान किया था, उसी प्रकार पेड़ वातावरण की कार्बन डाई ऑक्साइड लेकर हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन देते हैं। प्रत्येक व्यक्ति को एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करनी चाहिए। इस दौरान सभी को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में जबलपुर संभाग समन्वयक रवि बर्मन, जिला समन्वयक सुशील बर्मन, विकासखंड समन्वयक सतोष झारिया, परामर्शदाता सतोष रजक सहित कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

समाज के मार्ग दर्शक केशव प्रसाद साहू का निधन, अंतिम संस्कार आज

भुआबिछिया। नगर के प्रतिष्ठित नागरिक भुआ ग्राम पंचायत के भूतपूर्व सरपंच, साहू समाज के वरिष्ठ मार्गदर्शक, क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यवसाई केशव प्रसाद साहू का आज शाम 5 बजे निधन हो गया, 91 वर्षीय साहू जी अभी कुछ समय से अस्वस्थ थे, आप मंडी व्यवसाई तुला साहू, भुवन, सुरेन्द्र, सुधीर, साहू के पिता थे सम्पूर्ण साहू समाज सहित नगर के लिए अपूर्णीय क्षति है अंतिम संस्कार रविवार 23 अगस्त को 11बजे स्थानीय मुक्ति धाम में में किया जाएगा।

जांच दल के न जाने के पीछे क्या है राज

हरिभूमि न्यूज़ ॥मण्डला

मण्डला जनपद की ग्राम पंचायत पटपरा रैयत में पिछले 14 वर्षों से पदस्थ विवादास्पद सचिव को लेकर लगातार ग्रामवासी जिला प्रशासन से गुहार लगाते रहे हैं लेकिन क्या कारण है कि जनपद और जिला पंचायत के अधिकारी, कर्मचारी सचिव के विरुद्ध कोई कार्यावाही न करते हुये इसके उलट ग्रामवासियों को ही धमकी देते हैं और फिर सचिव एवं ग्रामवासियों के बीच समझौता कराते हैं।

ग्राम पंचायत में लगातार हो रहे फर्जी भुगतान को लेकर जब शिकवा-शिकायतें की गईं। मय प्रमाण के साथ लाखों के भुगतान सिर्फ कार्यालय व्यय एवं अन्य खर्च के नाम पर किये गये और भुगतान भी ऐसे लोगों को किये गये जो कि नियम विरुद्ध हैं तात्कालीन सरपंच



के नाम लाखों रूपये निकाले गये ऐसे दर्जनों नाम हैं जिनके नाम लाखों रूपये भुगतान तो किये गये लेकिन वे कौन हैं और उन्हें किस बात का भुगतान किया गया यह बात पंचायत में शायद ही कोई जानता हो और इसी बात को लेकर ग्रामवासी

जनपद एवं जिला पंचायत के अधिकारियों से जांच की मांग कर रहे हैं लेकिन जांच है कि शुरू ही नहीं हो रही। हालांकि जिला पंचायत द्वारा विगत 21 जुलाई को एक जांच दल का गठन किया गया और उसे एक

सप्ताह के अंदर बिन्दुवार शिकायतों की जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करना था लेकिन आज एक माह से ज्यादा का समय गुजर चुका न तो जांच दल पंचायत गया और न ही जांच का कोई प्रतिवेदन सामने आया।

सूत्रों की माने तो संबंधित सचिव आये दिन जिला पंचायत आकर जांच दल के सदस्यों से भेंट करता है और फिर जांच दल के सदस्य मीडिया को यह बताते हैं कि सचिव द्वारा अभी 2 से 3 दिन का समय मांगा गया ताकि वह रिकॉर्ड दुरुस्त कर सके उसके बाद पंचायत जांच हेतु आने को कह रहा है।

अब जांच दल जिसकी जांच करने जायेगा क्या वह उसके कहे अनुसार जायेगा और जिन दस्तावेजों की जांच करना है क्या वे जब दुरुस्त हो जायेंगे तब फिर कौन सीआर की जायेगी। जांच दल के एक सदस्य तो अपना नाम वापिस



लेने की बात कहते हैं अब वे ऐसा क्यों कह रहे हैं इसे समझना ज्यादा मुश्किल नहीं।

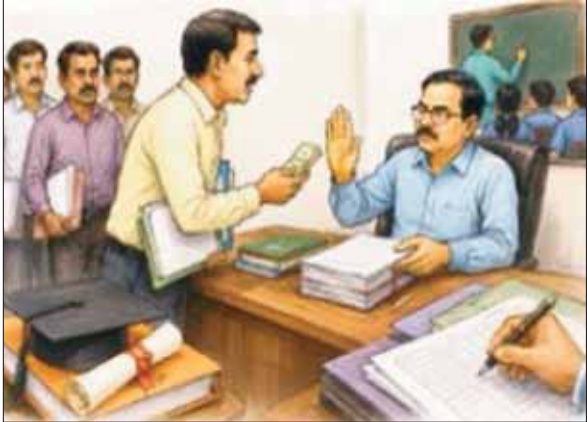
अनियमितता	जिले भर के शिक्षको की पदोन्नति की चल रही प्रक्रिया।
-----------	---

शिक्षकों की सीआर रिपोर्ट के नाम पर वसूली

* शिक्षा विभाग का सामने आया एक और फर्जीवाड़ा।

हरिभूमि न्यूज़ ॥मण्डला

जिले में शिक्षकों की पदोन्नति प्रक्रिया इन दिनों जारी है। इस प्रक्रिया के तहत शिक्षकों को अपनी गोपनीय चरित्रावली सीआर जमा करनी होती है, जो उनकी पदोन्नति के लिए एक अहम दस्तावेज है। आरोप है कि यह चरित्रावली संकुल प्राचार्य के हस्ताक्षर होने के बाद खंड शिक्षा अधिकारी बीईओ के माध्यम से जमा की जा रही है और इसकी किसी भी तरह पावती भी नहीं दी जा रही है। इस पूरी प्रक्रिया में शिक्षकों से अवैध वसूली की जा रही है। शिक्षकों का कहना है कि सीआर में क ख ग घ की ग्रेडिंग प्रमाणित करने के लिए रूपए लिए जा रहे है। शिक्षकों व संगठन ने इस अवैध वसूली पर गंभीर सवाल उठाए हैं और मांग की है कि प्रमोशन प्रक्रिया में वरिष्ठता का ध्यान रखते पारदर्शिता बरती जाए। यह प्रकरण जिले के शिक्षा विभाग में चर्चा का विषय



बना हुआ है। जानकारी के अनुसार शिक्षको के प्रमोशन के निदेश मिलने के बाद जिले में वरिष्ठता क्रम से शिक्षको की सूची तैयार की गई। यहां मंडला ब्लॉक में भी बड़ी संख्या शिक्षको के नाम प्रमोशन सूची में शामिल है। शिक्षको को पिछले सात साल वर्ष 2018-19 से गोपनीय चरित्रावली जमा करना है, यहां तक इसमें फेरबदल हो रहा है। जबकि सीआर एक बार ही बनाई जाती है। शिक्षको के द्वारा संकुल प्राचार्य से हस्ताक्षर कराने के बाद बीईओ कार्यालय में जमा किया जा रहा है। यहां से प्रमाणित

होने के बाद यह फाइल जनजातीय कार्यविभाग में पहुंचती है, शिक्षको की प्रमोशन के लिए एक समिति बनाई गई है। यहां वरिष्ठता और विषयवार शिक्षको के नाम की स्कूटनी होने के बाद प्रमोशन प्रक्रिया बढ़ाई जा रही है।

वरिष्ठता सूची में विसंगतियां जिले में शिक्षकों की पदोन्नति प्रक्रिया को लेकर एक शिक्षक संगठन ने गंभीर सवाल उठाए हैं। संगठन ने कहा कि नवीन सत्र 2026-27 की वरिष्ठता सूची के आधार पर पदोन्नति की जानी है,

लेकिन इस सूची में अनेक खामियां हैं जिन्हें दूर नहीं किया जा रहा। सूची में कई शिक्षको के नाम गायब है, यहां तक सेवानिवृत्त हो चुके या फिर ट्रांसफर करा चुके शिक्षक भी सूची में है। ऐसे में पात्रता रखने वाले शिक्षको को इसका लाभ नहीं मिल रहा है, पदोन्नति अपने लोगों को देखकर रिश्ते नाते निभाने के हिसाब से हो सकती है।

पदोन्नति के लिए जरूरी है सीआर

शिक्षकों की गोपनीय चरित्रवली उनके कार्य, आचरण और शैक्षणिक योग्यता का वार्षिक लिखित मूल्यांकन दस्तावेज है। यह दस्तावेज शिक्षकों की सेवा पुस्तिका का एक गोपनीय और महत्त्वपूर्ण हिस्सा होता है। पदोन्नति के लिए पिछले कुछ वर्षों की संतोषजनक गोपनीय चरित्रवली होना अनिवार्य है, जिसके आधार पर वरिष्ठता और योग्यता तय की जाती है। गोपनीय चरित्रवली में शिक्षक के पूरे साल के काम और व्यवहार का लेखा-जोखा होता है। इसमें परिणाम अनुशासन और छात्रों की उपस्थिति जैसे बिंदु दर्ज होते हैं। संकुल प्राचार्य या डीईओ द्वारा इसकी ग्रेडिंग

की जाती है। पदोन्नति प्रक्रिया में गोपनीय चरित्रवली का विशेष महत्व है अगली पदोन्नति पाने के लिए निर्धारित वर्षों की सीआर रिपोर्ट का सही होना जरूरी है।

इनका कहना है :-

शिक्षको को पदोन्नति प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं है। वरिष्ठता सूची में कई विसंगतियां हैं। जिन्हें दूर नहीं किया गया है। सूची इसी रूप में जारी हुई तो वे माननीय न्यायालय का रुख करेंगे और आंदोलन का रास्ता भी अपनाएंगे। संगठन को यह शिकायतें भी मिल रही हैं कि सीआर लिखने व प्रमाणित करने के एवज में वसूली का काम चल रहा है जिसका भी पुजुर विरोध किया जाएगा।

–संतोष सोनी, आजाद अध्यापक संघ पदोन्नति की सूची में शिक्षको की जानकारी नहीं है। जनजातीय कार्यविभाग से प्रक्रिया चल रही है, शिक्षको से किसी भी तरह से रूपए नहीं लिए जा रहे हैं। पूरे जिले से एक भी शिक्षक इस तरह की शिकायत नहीं कर सकता है। रंजीत गुप्ता, –प्रभारी बीईओ मंडला

प्राचार्य ने कहा कि ऐसे छात्रों के कारण विद्यालय का माहौल खराब होता है और अन्य छात्रों पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

कई सवाल खड़े हो रहे हैं

बंदूक खाली ही क्यों न हो, लेकिन एक स्कूली छात्र के पास अवैध हथियार मिलना और उसका पुराना आपराधिक रिकॉर्ड कई गंभीर सवाल खड़े करता है। आखिर छात्र किस मकसद से हथियार लेकर आया था, पुलिस हर दृष्टिकोण से जांच कर रही है, साथ ही उक्त पिस्टल का मुख्य अपूर्ति कर्ता कौन है और आरोपी छात्र द्वारा इसे उपयोग करने कितनी राशि देकर लिया गया? वह भी गोली सहित या खाली पिस्टल..? गंभीर जांच का विषय है।



चीचली जनपद अध्यक्ष के घरना सहित कार्यालय की तालाबंदी घटना ने अधिकारियों की कार्य शैली पर खड़े किये सवाल

थाने से चंद दूरी पर चार घंटे तक सरकारी अधिकारियों सहित कर्मचारियों का बंदी बना रहना पुलिस की कार्य प्रणाली कटघरे में...?



हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। समीपस्थ जनपद पंचायत चीचली में जिस तरह घटनाक्रम घटित होते हुये देखा गया है वह निश्चित तौर से अधिकारियों की भूमिका पर सबाल खड़े करने से नहीं चूक रहा है..? नही तो कि जनपद पंचायत चीचली की महिला अध्यक्ष द्वारा जनपद के प्रमुख अधिकारी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुये उन्हें हटाने के लिये जनपद कार्यालय के सामने लगाता 37 दिनों तक धरना दिया गया। जनपद अध्यक्ष विपक्ष पार्टी की हानि के चलते यहां पर उनके धरने को लेकर सत्ता पक्ष के नेताओं द्वारा किसी तरह से कोई ध्याने नहीं दिया गया। यह बात अलग है कि जनपद अध्यक्ष के इस विरोध प्रदर्शन का जिला कांग्रेस कमेटे द्वारा समर्थन करते हुये अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुये कार्यवाही की मांग की गई थी। अगर इसके बाद भी किसी तरह से जिम्मेदार अधिकारी द्वारा जनपद अध्यक्ष द्वारा लागये जा रहे आरोपी की शायद जांच नहीं किये जाने के चलते यह विरोध धरना लगाता 37 दिनों तक जारी रहा। इस बीच जिले के जिम्मेदार किसी भी अधिकारी द्वारा शायद धरना स्थल पर पहुंचने की जरूरी नहीं समझी गई होगी जिसके चलते किसी भी अधिकारी को पहुंचते हुये नही देखा गया..? अगर इसी बीच बीते हुये 18 अगस्त को युवक कांग्रेस द्वारा अपनी पार्टी से निर्वाचित जनपद अध्यक्ष का समर्थन करते हुये प्रवेश स्तर से लेकर स्थानीय स्तर के युवक कांग्रेस कार्यवाहक व पदाधिकारी धरना स्थल पर महिला जनपद अध्यक्ष समर्थन करने पहुंचे इस दौरान उनके द्वारा जमकर नारे बाजी करते हुये जनपद कार्यालय के मुख्य द्वारा पर तालाबंदी करत हुये उसके सामने विरोध प्रदर्शन पर बैठ गया। इस तरह इसकी कार्यालय की ताला बंदी की खबर संपूर्ण जिले में जहाँ आग की तरह फैलने से नहीं चूक पाई।



वही दूसरी ओर इस घटना क्रम के उपरांत इस मामले को लेकर जिला पंचायत के प्रमुख अधिकारी द्वारा जनपद अधिकारी की जगह वहां पर प्रभार अन्य दूसरे अधिकारी को सौंपने का आदेश जारी करते हुये जनपद अध्यक्ष द्वारा अपनी जीत पर खुशी जाहिर करते हुये अपना धरना समाप्त कर दिया गया। इस पूरे मामले में जहां जनपद अध्यक्ष द्वारा जनपद के प्रमुख अधिकारी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुये उसे हटाने की मांग करते हुये अपना धरना दिया गया था। मगर जिला पंचायत द्वारा जिस तरह से जनपद के अधिकारी की जगह दूसरे अधिकारी को प्रभार सौंपने के लिये जारी किया गया आदेश चर्चा का विषय बनने के साथ जनपद अधिकारी को हटाने की सच्चाई पर सबाल खंडे करते हुये प्रतीत होने से नही चूक रहा है..? जिला पंचायत के अधिकारी द्वारा जारी किये गये आदेश में उल्लेखित किया गया है कि अभिषेख गुप्ता मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बाबई चौचली के जनपद पंचायत मुख्यालय पर बिना सूचना के अनुपस्थित रहने तथा दूषभाष पर संपर्क न होने के कारण शासकीय कार्य संचालन की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुये पुनीत लिटोरिया, सहायक यंत्री जनपद पंचायत बाबई चौचली को वर्तमान में प्रभार के साथ साथ मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बाबई चौचली का अतिरिक्त प्रभार सौपा जाऊँ न्हें म.प्र. कोपालय संहिता भाग 1 के सह नियम 125 के तहत आहरण एवं संवितरण के अधिकार प्रदत्त किये जाते है। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा..। अब सबाल यह प्रश्न हो रहा है कि यदि किसी अधिकारी द्वारा अपना वरिष्ठ अधिकारी को फोन नही उठाया जाता है तो क्या उसे बगैर किसी नोटिस तथा स्पष्टीकरण किये हुये उस पद पर किसी ओर को प्रभारी के रूप में नियुक्त किया जा



सकता है..? कानून के जानकारों के अनुसार तो यह बताया जाता है कि इस तरह अत्यासन्न हीनात किये जाने पर पहले नोटिस देते हुये स्पष्टीकरण मांगा जाता है। यदि संतुष्टी पूर्ण स्पष्टीकरण नही मिल पाता है इसके बाद भी इस तरह की कार्यवाही की जाती है..? यदि किसी अधिनस्थ अधिकारी को जब कोई वरिष्ठ अधिकारी उसके पद से प्रथक करता है या फिर उसकी जगह दूसरे को प्रभार देता है तो आदेश में यह उल्लेख भी किया जाता है कि जिस अधिकारी को पद से अलग किया जा रहा है तो उसे वहां से हटाते हुये कहा नियुक्त किया जा रहा है..? मगर इस आदेश में इस तरह किसी भी तरह का उल्लेख न होना यह आदेश चर्चा का तथ्य बनने के साथ साथ जनपद अधिकारी के हटने की सच्चाई पर सबाल खड़े करने से नही चूक रहा है..? वही दूसरी ओर जारी किये गये आदेश में इस बात का बखाल भी दिया गया है कि मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बार्डार् चीचली बिना सूचना के मुख्यालय पर अनुपस्थित रहने व दूरभाष पर संपर्क होने के चलते यह कार्यवाही की गई है। जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो जनपद कार्यपालन में युवक कांसेप्ट द्वारा की गई तालाबंदी की कार्यवाही को लेकर जनपद चीचली के अधिकारी द्वारा पुलिस थाने चीचली में दर्ज कराई गई रिवाकत में अपनी ओर से इस बात का उल्लेख किया गया है कि बीते हुये 18 अगस्त दोपहर 1 बजे के लगभग कमलेश अहिरवार, अभिषेक परमार, मनीष अहिरवार व रियाज खान सहित अन्य लोगों द्वारा जनपद पंचायत के मुख्य द्वार पर ताला लगाते हुये सामने की बैडकर धरना प्रदर्शन किया गया जिसके चलते कार्यपालन के अंदर 1 बजे से 5 बजे तक अधिकारी व कर्मचारी बंद रहे। इस दौरान यह कोई भी शासकीय कार्य का संपादन नही कर पाये तथा शासकीय



कार्य में बाधा पहुंची। जिसके चलते चीचली पुलिस द्वारा चार लोगों पर नामजद व अन्य के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने पर सख्त अव धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस तरह से जनपद चीचली के अधिकारी द्वारा पुलिस थाने में दर्ज कराई गई शिकायत में ताला बंदी की घटना का समय 1 बजे से 5 बजे तक उल्लेखित किया गया है। वहीं पुलिस थाने में दर्ज हुई रिपोर्ट के अनुसार अधिकारी पुलिस थाने में घटना की सूचना देने का समय 22 बजकर 36 मिनट यानी रात के 10 बजकर 36 मिनट का है। वहीं गौर किया जावे तो जिला पंचायत द्वारा जनपद अधिकारी का प्रभार अन्य किसी अधिकारी को सौंपने के लिये दिये गये आदेश में इस बात का उल्लेख किया गया है कि जनपद पंचायत चीचली के मुख्या अधिकारी अनुपस्थित थे। जबकि उसी अधिकारी द्वारा पुलिस थाने में रात साढ़े दस बजे तालाबंदी करने वालों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है जिसके चलते पुलिस ने मामला दर्ज किया गया है। पुलिस थाने में दर्ज कराई गई शिकायत में अधिकारियों को दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक कार्यालय के अंदर बंद रहने का उल्लेख किया गया है जबकि घटना की सूचना पुलिस थाने को रात 10 बजकर 36 मिनट पर दी ज रही है। जबकि पुलिस थाना व जनपद पंचायत कार्यालय की दूरी मात्र 1 किलोमीटर है। इस तरह पुलिस थाने में दर्ज कराई गई रिपोर्ट के अनुसार अधिकारी व कर्मचारी पांच बजे तक तालाबंदी के चलते अंदर रहे तो फिर पांच बजे ताला खुलने के बाद मात्र 1 किलोमीटर दूरी पर स्थित पुलिस थाने को पहुंचने में साढ़े पांच घंटे की देरी लग जाना मामले के साथ साथ अधिकारियों की भूमिका को संदिग्ध बनाने से नहीं चूक रहा है? वहीं दूसरी ओर इस घटनाक्रम में यदि चीचली पुलिस की भूमिका पर नजर डाली जावे तो वह भी

अधिकारियों को 4 घंटे तक बंदी बनाये रहे..? क्योंकि 1 बजे से 5 बजे तक जनपद कार्यालय के अंदर अधिकारियों व कर्मचारियों के बंद रहने की पुष्टि तो जनपद अधिकारी द्वारा दर्ज कराई गई। शिकायत में ही स्पष्ट हो चुकी है..? जब सबाल यह पैदा हो रहा है कि इस तरह के उच्च विरोध प्रदर्शन की जानकारी एक दिन पहले ही उजागर होने के बाद भी चीचली पुलिस उदासीन बनी रही जिसके चलते विरोध प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को चार घंटे तक बंदी बनाने में सफल हुये और थाने से मात्र 1 किलोमीटर दूरी पर स्थित थाने से पुलिस धरना स्थल तक पहुंचने में असफल रही..? जबकि तालाबंदी से संबंधित बायरल हो रही फोटोयों में मौके पर कुछ पुलिस अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहते हुये दिखाई दे रहे है..? इससे यह प्रतीत होते हुये जान पड़ रहा है कि चीचली पुलिस की मौजूदगूरी में ही जनपद के अधिकारियों व कर्मचारियों को चार घंटे तक बंदी बनाया गया है..? इस प्रकार से जनपद पंचायत की बीबी में लगातार 37 दिनों तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद घटित हुये घटना क्रम की सच्चाई को लेकर ज़िला स्तर से लेकर चीचली पुलिस की भूमिका चर्चा का विषय बनने के साथ साथ अनेक सबालों को जन्म देत हुये प्रतीत होने से नही चूक पा रही है..? वैसे भी देखा जावे तो जब विपक्ष द्वारा किसी भी मामले को लेकर विरोध प्रदर्शन किया जावे तो पुलिस पहले से ही सक्रिय होते हुये उसे आंदोलन व विरोध प्रदर्शन को असफल बनाते हुये देखा जाता है..। मगर इस घटनाक्रम में तो जिस तरह अधिकारियों को 4 घंटे तक बंदी बनाये जाने की सच्चाई ने चीचली पुलिस सहित जिले के अधिकारियों की भूमिका पर सबाल खड़े करते हुये कटघरे में खड़ा करने में कोई कसर नही छोड़ी गई है..?

ट्रेन से कटकर हुई युवक की मौत पर पुलिस ने दर्ज किया मामला



परिवर्तनीय न्यूटन/ गाँववासी। जब कोई युवा अपनी जिम्मेगी समाप्त करने का निर्णय लेता है तो निश्चित तौर से उसके पीछे कोई बड़ा कष्ट या नकार छिपा होता है ? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई भी हुये दिनों नगर के रेल्वे स्टेशन के समीप एक युवक द्वारा रेल के सामने लूटकर मर गई आत्महत्या की घटना को लेकर प्रतीत होने से नहीं कुछ पट्टी है । बताया जाना है कि बीते ३१ जुलाई को रेल विभाग के कर्मचारी द्वारा स्थानीय पुलिस थाने में सूचना दी गई कि गाँववासी के कन्हारवागी को और जाने वाले कर्मचारी की पुलिस के पास एक युवक की देन से कटकर मौत हो गई है। घटना को लेकर पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर जब मृतक के संबंध में जानकारी एकत्र की गई तो उसकी पचवाना ग्राम मऊ निवासी दूषित कौर के रूप में होने के चलते मग कायम करने हुये मामले को जांच में लिया गया था। वहीं घटना मग जांच के दौरान मृतक के पास से मिले हुये एक पत्र तथा उसके परिजनों से लिये गये कथनों प्रदीप जर्फ पुलिस द्वारा निवासी एस आडेगांव द्वारा मृतक की शादी के दौरान मर रहा था। मृतक द्वारा आरोपों के खिलाफ दर्ज किये गये मामलों में भी इस कि मृतक के पास से मिले हुये सुसाइड नोट में पुलिस के आवलोकन के दौरान होने देसूर की बात को लेकर कुछ प्रदीप कौर द्वारा विवाद करने व पंचायत रह युवक द्वारा की गई आत्महत्या के आरोप में पुलिस द्वारा प्रदीप जर्फ मुरा जांच में लिया गया है। इस सबंध में मृतक के माई द्वारा जिला पुलिस अधीक्षक व गिरफ्तार किये जाने की मांग उठाई गई है ।

पर यह बात सामने आई के मुक्त का फूफा प्रदीप और मुन्ना कोरव गिलोसी गरीब आडोवांग द्वारा मुक्त का देश के दौरान नेता के नाम को लेकर आरोप दिया जादिलत कर रहा था। पुलिस द्वारा आरोपी के खिलाफ दर्ज किया गये मामलों के भाई इस बात को पुलिस द्वारा उल्लेखित किया गया है कि मुक्त के पास से मिले हुये नुसाईड नोट में पुलिस के आवलोकन के दौरान उजागर हुई है कि स्वयं की शायद के दौरान नेता के दस्तर की बात को लेकर फूफा प्रदीप कोरव द्वारा विवाद करने व पचावत बैठाने की बात पर खिन्न हो गई। इस तरह युवक मुक्त का भाई आनमरथा के आरोप में पुलिस द्वारा प्रदीप उर्फ मुन्ना कोरव के खिलाफ मामला चला कर रहे हुये जांच में लिया गया है। इस संबंध में मुक्त के भाई द्वारा जिला पुलिस अधीक्षक को एक आवेदन पत्र देते हुये आरोपी को शीघ गिरफ्तार किया जाने की मांग उठाई गई है।

नगर में उज्जैन की तर्ज पर निकलेगी नर्मदेश्वर महाकाल की शाही सवारी

हरिश्चन्द्र वृज्ज, गौडराज। वल रहै
 श्रावण मास के दौहरा लगातर धामिक
 आयेजनों को धूम देखने मिल रहै है।
 बड़ी श्रावण मास के सोमवार को शिव
 मन्दिरों में आयोजित होने वाले कार्यक्रम
 के चर्चा भक्तों की मीठी उमङ्गने से नहीं
 छूट पा रही है। इसी प्रकार से कल
 सावण मास के अंतिम सोमवार को
 दुर्घे वर्षों की भक्ति में इस बड़ी भगवान
 की प्रतिमा को हटाने का कार्यक्रम
 बाबा महाकाल के सम्भव भक्त उज्जैन
 को तर्ज पर नमस्तेवर महाकाल को
 मधुवा शाही श्रावरी धूमधाम से निकालने।
 आयेजनों को परिहासिक और यमगार
 बनाने का विश्व आयेजनों समिति द्वारा
 युद्ध स्तर पर तैयारी का रहा है।
 ननगर के शक्ति चौक स्थित मुख्य
 कार्यालय में प्रतिदिन बैठक
 कार्यक्रम का रूपरेखा को अनिवार्य
 कार्यक्रम है। महाराज जो जलेश्वर
 महाकाल नगर की प्रजा को आशीर्वाद
 देकर लिवे शिव श्रावण डम्पस्ट्री से।
 अजन्नी शाही समाज पर निकलने।

आयोजकों ने जानकारी देते हुए बताया कि श्रावण मास के अंतिम सोमवार, 24 अंगस्त के दोपहर 3 बजे शहीदी सवारी शिवधाम जमरुवाली से प्रारंभ होकर महाकाल चौक, वृंही नगर, नया बस्ती, रूड, पुरानी गल्ला मंडी, झंडा चौक थाना चौकी, महावीर मंदिर, शक्ति चौक होते हुए ऋषि मुक्तेश्वर धाम शिवलया चौक पहुंचेंगे। यात्रा के समापन पर ऋषि मुक्तेश्वर धाम शिवलया चौक में भगवान नन्ददेव महाकाल की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना एवं मध्य महाअरती की जाएगी। इसके पश्चात उपस्थित सभी श्रद्धालुओं में प्रसादी का वितरण किया जाएगा। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि इस वर्ष भी शहीदी सवारी को उज्जैन की प्रसिद्ध शहीदी सवारी की तर्ज पर सज्जा या रज हो। बाबा कालक पालकी, दोल-नगाड़ों की थाप, डीजे, मनमोहक झांकियां और मरतों का सैराह इन सवारी का मुख्य आकर्षण रहेगा। शहीदी सवारी में



52 शक्तिपीठ में गढ़कालिका धाम
उज्जैन मुख्य पुजारी करिश्मा नाथ
प्राचीन घाट श्री श्री 1008 रामदास
त्यागी टाढानशी सरकार शिष्य मंडल
किन्नर समाज प्रमुख विशेष रूप से
उपस्थित हो रहे हैं। शाही सवारी को
लेकर नगर के युवाओं में विशेष उत्साह
देखने को मिल रहा है। नगर के प्रमुख
मार्गों पर जगह-जगह नगरवासीयों
द्वारा भव्य स्वागत मंच बनाए जाऐंगे
जहाँ जल व्यवस्था और प्रसाद वितरण
की भी व्यवस्था की जा रही है।

**डेटाल बनेगा
स्वस्थ इण्डिया
अभियान के
तहत आयोजित
हुआ प्रशिक्षण**

हरिद्वीप न्यूज़/ गांधारपुर। राज्य शिक्षा केंद्र, भोपाल के अनुसार जगमग पहल के माध्यम से डेपुट क्लर्क स्वस्थ इंडिया अभियान अंतर्गत डेपुट स्कूल हाजीरन एग्रेसिव प्रोग्राम संचालित किया जा रहा है। उक्त कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता संबंधी आदतों का विकास प्रवर्धन परिलक्षित तथा स्वच्छता एवं जन स्वास्थ्यसंरक्षण के प्रति जागरूकता में प्रेरण उत्पन्न करना है। राज्य शिक्षा केंद्र, भोपाल के साथ डीप्टरनरशिप के अंतर्गत जिले के ०३ विकासखंडों के कुल २०० प्राथमिक विद्यालयों का चयन किया गया है जिनमेंमें विद्यार्थियों के १०० विद्यालय सम्मिलित हैं। इसी के चलते बीते दो शनिवार को उक्त कार्यक्रम के सफल निष्पत्तिजन्य हेतु चयनित प्राथमिक विद्यालयों से एक-एक शिक्षक का एक दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम शनिवार पौषमासी श्रावत उ मा विद्यालय (बीटीआई) में आयोजित किया गया था। बताया जाता है कि इस प्रशिक्षण के शुभारंभ में



बरहैया एवं जनशिक्षा केंद्र प्रभारी सतीश नाईक ने कहा कि यह प्रशिक्षण स्कूलों में बच्चों का स्वरूप आदरें विकसित करने में महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगा। इस अवसर पर मप्र / छग राज्य के कोआर्डिनेटर राजकुमार राय ने प्रोजेक्टर के जरिये शिक्षकों को बताया कि अच्छी सेहत की शुरुआत हमारे अपने हाथों से होती है। अनजाने में हम दिनभर कई ऐसी सतहों को छते हैं जहां



अनगिनित सूक्ष्म बैक्टीरिया और वायरस मौजूद होते हैं। यदि हाथ सही समय और सही तरीके से न धोए जाएं, तो यही हाथ बीमारियों के सबसे बड़े वाहक बन जाते हैं। साबुन से हाथ धोना एक पस्थर आदतों को अपनाना एक ऐसा सबसे सरल, सरल और प्रभावी उपाय है जो कई गंभीर बीमारियों को हमसे दूर रखता है। जिला कोआर्डिनेटर अंजुलता रजक ने बताया कि सफाई से हाथ धोने से दस्त (डाइरिया), निमोनिया, आंख और त्वचा के संक्रमण तथा कोविड या इन्फ्लूएंजा जैसी सांस की बीमारियों का खतरा 40% तक कम हो जाता है। इस दौरान उन्होंने कहा कि खाना खाने से पहले और शौच के बाद साबुन से हाथ धोना कमी न मूलें। प्रशिक्षण में अनेक शिक्षक उपस्थित रहे।

नगर में आयोजित संभागीय शालेय पिट्ट प्रतियोगिता आयोजित

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

शनिवार को संयुक्त संचालक लोक शिक्षण जबलपुर संभाग के वार्षिक खेल कैलेण्डर अनुसार संभाग स्तरीय शालेय पिटू (लाघोरी) बालक/बालिका आयु वर्ग 19 वर्ष का आयोजन शास. कन्या नवीन उमावि गाइरवारा में किया गया।

इस प्रतियोगिता में अंडर 19 आयु वर्ग के सिक्कीम, मंडला, बालाघाट, जबलपुर, छिंदवाड़ा एवं नरसिंहपुर जिला के छात्र एवं छात्राओं ने सहभागिता करते हुए अपने प्रतिस्पर्धी खेल का प्रदर्शन किया। बताया जाता है कि प्रतियोगिता के बालक एवं बालिकाओं के वर्गों के फाइनल मैचों में जबलपुर जिले ने नरसिंहपुर को हराकर विजेता बनने का गौरव हासिल किया। अंत में आगामी समय में होने वाली राज्य स्तरीय स्पर्धा हेतु छात्र एवं छात्राओं का चयन उनके अच्छे प्रदर्शन के



आधार पर किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ बीआरसी संदीप स्थापक, संस्था के प्राचार्य सतीश नाईक, जिला क्रीड़ा एवं कल्याण निरीक्षक अनुज जैन द्वारा किया गया। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय भी प्राप्त किया। आयोजन में लेखा कौरव, चंद्रकांत साहू, अर्चना दुबे, पीटीआई विक्रम शर्मा, मुकेश पटेल, अवैय सोनी, आदित्य द्विवेदी आश्रज खान, जैशाली बिजौरिया, ज्योति धानिक, मधुसूदन पटेल सहित निर्णायक मंडल मौजूद रहा।

रंग सरोकार की अभिनय कार्यशाला में 'रस एवं भाव' पर हुआ विशेष व्याख्यान का आयोजन



हरिमूखी न्यूज़, गाइडवाला। राष्ट्रीय नाट्य विद्या (एनएसटी), नई दिल्ली के सहयोग से रंगशेखरकारना प्रसार समिति द्वारा आयोजित एक भावों की अभिव्यक्ति कायशाला नाट्य उत्सव और मेमोरिया के साथ संयोजित हो रहा है। बताया जाता है कि इस कायशाला के अंतर्गत प्रतियोगिता के लिए विशेष सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक आयोजित किया गया। आयोजित कक्षा का संचालन डॉ. अरुण, सहायक प्रध्यापक, नाट्य एवं रंगमंच विभाग, एनएसटी किया। इस दौरान उन्होंने भारतीय नाट्यशास्त्र के अन्तर्गत प्रमुख विषय रस एवं भाव पर विस्तृत व्याख्यान दिया। अपने संबोधन में उन्होंने महत्त्वपूर्ण के नाट्यशास्त्र में वर्णित रस सिद्धांत की विस्तार से चर्चा करते हुए बताया अभिनय की आत्मा भावों की रस अभिव्यक्ति में निहित है तथा जब अभिनेता के भाव दर्शकों के हृदय में सौंदर्यात्मक अनुभूति उत्पन्न करते हैं, तभी रस की विष्फटि होती है। भाव के रंश्या भाव, विभाव, अनुभाव तथा संचारी भाव अवधारणाओं को सरल उदाहरणों और मंचीय अभ्यासों से समझाया से समझाया। उन्होंने प्रतियोगिता के विभिन्न भावों हास्य, करुण, रोद, वीर, अद्भुत तथा शृंगार

आदि—पर आधारित अभिनय अभ्यास भी करवाए, जिससे अनुभव को स्थिरता और व्यवहार के समन्वय का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ। इस मौके पर उन्होंने कहा कि एक सफल अभिनेता केवल संवाद नहीं बोलता, बल्कि उस शरीर, स्वर, दृष्टि, त्वय और आंतरिक संवेदनाओं के माध्यम से पात्र के भावों को जीवंत करता है। अभिनय की प्रामाणिकता तभी संभव है जब कलाकार स्वयं भाव को गहराई से अनुभव करे और उसे ईमानदारी से मंच पर अभिव्यक्त करे। काशीनाथ के प्रतिभागियों ने इस सत्र को अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक बताया। प्रश्नोत्तर सत्र में डॉ. खरे ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए अभिनय के रंगरूपपर और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के बीच संबंधों पर भी प्रकाश डाला। रंगसरस्वर नाट्य प्रसार समिति ने डॉ. विद्वांश के आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे विशेषज्ञों का मार्गदर्शक प्रतिभागियों के अभिनय कौशल को नई दिशा प्रदान करता है। काशीनाथ आगामी दिनों में अभिनय, वाणी, शरीर संवादन, दृश्य निर्माण जैसी अतिम आवश्यक प्रस्तुति की तैयारियों के साथ निरंतर जारी रहेगा।

बिजली खम्बों में मकड़ी की जाल की तरह उलझी केबिलों में आग लगने से रात रात भर अंधेरे में रहने मजबूर होते हैं लोग

हरिमूर्ति न्यूजा, कोडिया। जहां कं ओर बिजली विभाग द्वारा आये दिन शहर हो या फिर गांव बिजली बिलों को बसूली करने के नाम पर लोगों को लाईट काटने में देर नहीं की जाती है। मगर वहीं दूसरी ओर किसानों को अच्छी बिजली व्यवस्था उपलब्ध करने के नाम पर देशा जावे तो बिजली विभाग की उद्देशिकाएं चलते क्षेत्र के किसानों को प्रतिवर्ष लाखों रूपया की क्षति का सामना करने के साथ साथ आमनी जान तक गंवाने के लिए मजबूर होना पड़ता है। यदि इस बात की सच्चाई पर गौर किया जावे तो ग्रामीण क्षेत्रों में शहर के अंदर बिजली स्ख्खों में केबिले जहाँ मकड़ी की जात की तरह उलझी हुई नजर

खबर संक्षेप

पुष्पराजगढ़ कॉलेज में उतारी पूरी टीम

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। पुष्पराजगढ़ महाविद्यालय में आगामी छात्रसंघ चुनाव को लेकर आदिवासी छात्र संगठन ने अपनी नई कार्यकारिणी घोषित कर चुनावी तैयारियों का संकेत दे दिया है। संगठन ने कॉलेज प्रमारी राममजन सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष खेमराज सिंह और अध्यक्ष आनंद उर्वेती को जिम्मेदारी सौंपी है। उपाध्यक्ष नवी मरावी एवं समारू सिंह, महासचिव गुलशन पट्टा एवं सरस्वती देवी, सचिव डॉली देवी एवं ममता नेताम, सह सचिव संध्या मरावी, कोषाध्यक्ष रामेश्वरी सिंह, सह कोषाध्यक्ष सुमति देवी, मीडिया प्रमारी भूपेंद्र पट्टा, प्रवक्ता शेखर यादव, संस्कृति प्रमारी रानी मरावी एवं नीतिम देवी, सह-संस्कृति प्रमारी धनेश्वरी देवी, पर्यावरण प्रमारी चंदनी मरावी, सह-प्रमारी करीना नायक और खेल प्रमारी पुष्पेंद्र सिंह मार्को बनाए गए हैं। नई कार्यकारिणी का गठन आगामी छात्रसंघ चुनाव के महंजजर संगठन की तैयारियों को मजबूत करने के रूप में देखा जा रहा है। संगठन लंबे समय से छात्रवृत्ति, आवास भत्ता, नियमित कक्षाओं, बस सुविधा, नवीन भवन तथा छात्रावास में पानी, बिजली और सड़क जैसी बुनियादी समस्याओं को लेकर आवाज उठाता रहा है।आदिवासी छात्र संगठन का कहना है कि कोरोना काल के दौरान छात्रवृत्ति और आवास भत्ते से जुड़े मुद्दों से लेकर अभिविचारकालीन आंदोलन तक संगठन ने छात्रों की समस्याओं को लेकर संघर्ष किया। नियमित कक्षाओं के संचालन और महाविद्यालय की सुविधाओं को लेकर भी संगठन ने आंदोलन किए हैं। यही सक्रियता आगामी चुनाव में संगठन की प्रमुख ताकत बन सकती है कार्यकारिणी में अलग-अलग जिम्मेदारियों के लिए पदाधिकारियों की नियुक्ति से संगठन ने कॉलेज स्तर पर अपनी टीम को व्यापक स्वरूप दिया है। मीडिया, प्रवक्ता, संस्कृति, पर्यावरण और खेल जैसे क्षेत्रों में भी जिम्मेदारी तय की गई है। इससे संगठन की गतिविधियों को व्यवस्थित करने और छात्र-छात्राओं के बीच अपनी उपस्थिति मजबूत करने की रणनीति दिखाए देती है।

अक्टूबर से भारतीय स्टेट बैंक के ग्राहकों के लिए नकद निकालना होगा महंगा

हरिभूमि न्यूज राजनगर। राजनगर क्षेत्र सहित पूरे देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपने करोड़ों ग्राहकों के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण सार्वजनिक सूचना जारी की है। यह सूचना सीधे तौर पर आपके बैंक खाते से नकदी निकालने यानी कैश विट्रॉल के नियमों से जुड़ी है। बैंक ने आगामी 1 अक्टूबर 2026 से ग्राहकों के लिए नकद निकालने के नियमों और शुल्कों में बड़ा बदलाव करने का फैसला किया है। बैंक के इस निर्णय से गरीब परेशान होने वाले हैं, क्योंकि यह शुल्क इनके खातों के ट्रांजेक्शन पर लगने वाला है। आधिकारिक सार्वजनिक सूचना के अनुसार, बैंक ने अपने बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट (बीएसबीडी) खातों के नकद निकाली शुल्कों में संशोधन किया है। इस बदलाव को लागू करने की तारीख 1 अक्टूबर 2026 तक की गई है।

घायल नंदी की मदद को आगे आई युवा शक्ति, कराया उपचार



चिकित्सालय से मोनू ठाकुर और उनकी टीम को मौके पर बुलाया। चिकित्सकीय टीम ने सावधानीपूर्वक नंदी को रस्सी की सहायता से जमीन पर लिटाया और उसके बड़े हुए खुरों को काटने के साथ पैर की चोट का आवश्यक उपचार किया।चिकित्सकों के अनुसार नंदी को अभी करीब तीन दिनों तक उपचार और विशेष देखभाल की आवश्यकता है। इसके चलते उसे फिलहाल बस स्टैंड परिसर में ही सुरक्षित स्थान पर रखा गया है, जहां उसका नियमित उपचार किया जा सके और उसे दोबारा चोट लगने से बचाया जा सके। युवा शक्ति डिंडोरी के सदस्यों ने अगले तीन दिनों तक नंदी के खाने-पीने की व्यवस्था करने की बात कही है।युवा शक्ति के सदस्यों ने कहा कि बेजुबान पशु अपनी पीड़ा शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकते, इसलिए उनकी मदद और उपचार करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने नंदी के उपचार में सहयोग करने वाली पशु चिकित्सालय की टीम और सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।



तीन घंटे तक एजेंसी में इंतजार, बारिश में एक किलोमीटर दूर गोदाम से सिलेंडर लाने को मजबूर हुए उपभोक्ता

शहपुर। तान्या इंडेन गैस एजेंसी शहपुरा की कार्यप्रणाली को लेकर उपभोक्ताओं में भारी नाराजगी देखने को मिली। शनिवार को सिलेंडर लेने पहुंचे उपभोक्ताओं को करीब तीन घंटे तक एजेंसी में इंतजार करना पड़ा। लंबे इंतजार के बावजूद समय पर सिलेंडर उपलब्ध नहीं होने से उपभोक्ताओं में आक्रोश बढ़ता गया।उपभोक्ताओं का आरोप है कि एजेंसी में आए दिन इसी तरह की अव्यवस्था देखने को मिलती है। सिलेंडर उपलब्ध होने के बावजूद उपभोक्ताओं को समय पर सिलेंडर नहीं दिया जाता और वितरण व्यवस्था एजेंसी की सुविधा के अनुसार संचालित की जाती है। इससे उपभोक्ताओं को घंटों इंतजार करने के साथ-साथ अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

तीन घंटे इंतजार के बाद एक किलोमीटर दूर भेजा: करीब तीन घंटे तक एजेंसी में इंतजार कराने के बाद उपभोक्ताओं को लगभग एक किलोमीटर दूर स्थित गोदाम से सिलेंडर लाने के लिए कहा गया।



पहले से परेशान उपभोक्ताओं को सिलेंडर के लिए इतनी दूरी तय करनी पड़ी, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ गई।इस दौरान बारिश का दौर भी जारी रहा। बारिश के बीच उपभोक्ताओं को एक किलोमीटर दूर स्थित गोदाम तक जाकर सिलेंडर लाना पड़ा। घंटों इंतजार के बाद बारिश में सिलेंडर लेने के लिए इतनी दूरी तय करने की स्थिति से उपभोक्ताओं में एजेंसी संचालक

की व्यवस्था को लेकर नाराजगी देखने को मिली।

उपलब्ध सिलेंडर के बावजूद उपभोक्ताओं को परेशानी क्यों?

उपभोक्ताओं का कहना है कि यदि सिलेंडर उपलब्ध थे तो उन्हें समय पर एजेंसी से ही उपलब्ध कराया जाना चाहिए था। सवाल यह उठ रहा है कि जब



उपभोक्ता सिलेंडर लेने एजेंसी पहुंचे थे, तो उन्हें तीन घंटे तक इंतजार क्यों कराया गया और बाद में बारिश के बीच एक किलोमीटर दूर गोदाम से सिलेंडर लाने के लिए क्यों भेजा गया?उपभोक्ताओं का आरोप है कि तान्या इंडेन एजेंसी में इस तरह की परेशानियां आए दिन सामने आती रहती हैं। समय पर सिलेंडर उपलब्ध नहीं कराने और वितरण व्यवस्था

को लेकर उपभोक्ताओं में लगातार नाराजगी बढ़ रही है।उपभोक्ताओं ने मांग की है कि एजेंसी की वितरण व्यवस्था को व्यवस्थित किया जाए, ताकि गैस सिलेंडर लेने आने वाले लोगों को घंटों इंतजार न करना पड़े और बारिश के बीच एक किलोमीटर दूर गोदाम तक जाकर सिलेंडर लाने जैसी स्थिति दोबारा निर्मित न हो।

करोड़ों का महाविद्यालय भवन, पहुंच मार्ग बढहाल



बारिश में कीचड़ के दलदल से गुजरने को मजबूर छात्र, कर्मचारी और ग्रामीण

अमरपुर। जनपद पंचायत मुख्यालय अमरपुर में शासन ने करोड़ों रुपये की लागत से शासकीय महाविद्यालय का भवन तो तैयार करा दिया, लेकिन महाविद्यालय तक पहुंचने वाले मार्ग की बढहाली ने पूरे निर्माण पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बारिश के दिनों में मुख्य सड़क से महाविद्यालय तक जाने वाला रास्ता कीचड़ और दलदल में तब्दील हो जाता है। ऐसे में विद्यार्थियों, कर्मचारियों और ग्रामीणों को रोजाना

इसी बढहाल रास्ते से होकर गुजरना पड़ रहा है।बारिश के बाद मार्ग की स्थिति इतनी खराब हो जाती है कि पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। जगह-जगह जमा कीचड़ और फिसलन के कारण विद्यार्थियों के गिरकर चोटिल होने का खतरा बना रहता है। वहीं दोपहिया वाहन चालकों के लिए भी यह रास्ता बेहद जोखिम भरा हो गया है। कई बार वाहन फिसलने से दुर्घटना की स्थिति निर्मित हो जाती है। विद्यार्थियों के जूते-कपड़े कीचड़ से खराब होना अब आम बात हो गई है। महाविद्यालय में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से विद्यार्थी अध्ययन के लिए पहुंचते हैं। बेहतर

शिक्षा की उम्मीद लेकर महाविद्यालय आने वाले छात्रों को हर दिन रास्ते की समस्या से जूझना पड़ रहा है। यही स्थिति महाविद्यालय के कर्मचारियों की भी है, जिन्हें अपनी ड्यूटी पर पहुंचने के लिए प्रतिदिन इसी कीचड़ भरे मार्ग से गुजरना पड़ता है।महाविद्यालय तक पहुंचने वाला यह मार्ग आसपास के ग्रामीणों के लिए भी महत्वपूर्ण है। इसी रास्ते से ग्रामीण अपने घरों और रोजमर्रा के कामकाज के लिए आवागमन करते हैं। बारिश के दौरान छोटे बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और दोपहिया वाहन चालकों की परेशानी और बढ़ जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं किया गया।स्थानीय लोगों का कहना है कि जब शासन करोड़ों रुपये खर्च कर महाविद्यालय का भवन तैयार कर सकता है, तो विद्यार्थियों और ग्रामीणों की सुरक्षित आवाजाही के लिए पक्की सड़क क्यों नहीं बनाई जा रही। उनका कहना है कि केवल भवन खड़ा कर देना विकास नहीं है, बल्कि उस भवन तक पहुंचने के लिए मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना भी प्रशासन की जिम्मेदारी है।ग्रामीणों और महाविद्यालय से जुड़े लोगों ने प्रशासन से मुख्य मार्ग से महाविद्यालय तक जल्द पक्की सड़क का निर्माण कराने की मांग की है। लोगों का सवाल है कि आखिर प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार क्यों कर रहा है? क्या किसी विद्यार्थी या ग्रामीण के गंभीर रूप से घायल होने के बाद ही इस मार्ग की सुध ली जाएगी। अब स्थानीय लोगों को आश्वासन नहीं, बल्कि सड़क निर्माण के रूप में स्थायी समाधान का इंतजार है।



समरसता का संदेश लेकर निकली भव्य कलश वंदन यात्रा

शहपुरा। सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारे और समानता का संदेश लेकर समरसता संकल्प अभियान के तहत कलश वंदन यात्रा-2026 शनिवार, 22 अगस्त को शहपुरा से उमरिया मार्ग होते हुए ग्राम सुहगी पहुंची। यहां से यात्रा रैपुरा-मानिकपुर मार्ग होते हुए कोहनी-देवरी की ओर रवाना हुई। यात्रा में मानिकपुर मंडल के भाजपा मंडल अध्यक्ष हीरेंद्र मरावी सहित मंडल के समस्त भाजपा कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की।यात्रा के दौरान संत शिरोमणि रविदास जी महाराज के प्रति श्रद्धा और सामाजिक एकता का संदेश दिया गया। यात्रा में भाजपा कार्यकर्ताओं सहित विभिन्न वर्गों के लोगों की सहभागिता रही। जयकारों और उत्साह के बीच यात्रा आगे बढ़ती रही।

सुहगी में पंचायत की ओर से किया गया स्वागत

उमरिया मार्ग से यात्रा जब ग्राम पंचायत टिकरिया की पोषक ग्राम सुहगी पहुंची तो प्राथमिक विद्यालय के समीप पंचायत प्रतिनिधियों एवं कर्मचारियों ने यात्रा का भव्य स्वागत किया। इस दौरान ग्राम पंचायत टिकरिया के

उपसंपर्क संदीप गौलिया सहित पंचायत के पंच एवं समस्त कर्मचारी मौजूद रहे। पंचायत प्रतिनिधियों ने कलश वंदन यात्रा में शामिल लोगों का फूल-मालाओं से स्वागत किया। स्वागत के दौरान ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों में खासा उत्साह देखने को मिला। इसके बाद यात्रा अपने निर्धारित मार्ग से आगे की ओर रवाना हो गई।

सामाजिक समरसता का दिया संदेश

समरसता संकल्प अभियान का उद्देश्य समाज में आपसी भाईचारा, समानता और सद्भाव की भावना को मजबूत करना है। संत रविदास जी महाराज के विचारों और आदर्शों से प्रेरित इस यात्रा के माध्यम से समाज को भेदभाव से ऊपर उठकर एकजुट रहने का संदेश दिया गया। मानिकपुर मंडल में भाजपा कार्यकर्ताओं की सहभागिता और सुहगी में पंचायत प्रतिनिधियों एवं कर्मचारियों द्वारा किए गए स्वागत के साथ यात्रा ने सामाजिक एकता और समरसता का संदेश आगे बढ़ाया। शहपुरा से शुरू हुई यात्रा उमरिया मार्ग, सुहगी और रैपुरा-मानिकपुर मार्ग होते हुए कोहानी-देवरी की ओर प्रस्थान कर गई।

शक्कर के दामों में अचानक उछाल, एक सप्ताह में 45 से 70 रुपये किलो पहुंचा भाव

शहपुरा। त्योहारी सीजन शुरू होने के साथ ही शक्कर के दामों में अचानक आई तेजी ने आम उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ा दी है। शहपुरा के बाजार में एक सप्ताह पहले 45 से 48 रुपये प्रति किलो बिकने वाली शक्कर अब करीब 70 रुपये प्रति किलो के भाव में पहुंच गई है। महज कुछ दिनों में कीमत में हुई इस बढ़ोतरी का सीधा असर रसोई के बजट पर पड़ रहा है। रक्षाबंधन का त्योहार नजदीक होने के कारण घरों में शक्कर की खपत बढ़ने वाली है। चाय से लेकर मिठाई और विभिन्न पकवानों में शक्कर की जरूरत के बीच अचानक बढ़े दामों ने गृहिणियों का घरेलू बजट बिगाड़ दिया है। उपभोक्ताओं का कहना है कि पहले से ही खाद्य सामग्री के बढ़ते दामों के बीच शक्कर की कीमत में इतनी तेजी आम परिवारों के लिए अतिरिक्त आर्थिक बोझ बन गई है।



एक सप्ताह में 22 रुपये तक की बढ़ोतरी

बाजार में उपलब्ध जानकारी के अनुसार करीब एक सप्ताह पूर्व शक्कर का भाव 45 से 48 रुपये प्रति किलो था, जो अब बढ़कर लगभग 70 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है। यानी कम समय में ही कीमत में करीब 22 से 25 रुपये प्रति किलो तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। अचानक हुए इस इजाफे को लेकर उपभोक्ताओं में नाराजगी भी देखी जा रही है।रक्षाबंधन जैसे त्योहारों में मिठाई और अन्य व्यंजनों के लिए शक्कर की मांग बढ़ जाती है। ऐसे समय में दाम बढ़ने से त्योहार की तैयारियों का खर्च भी बढ़ने की आशंका है। गृहिणियों का कहना है कि रोजमर्रा की जरूरतों के सामान के दाम पहले ही बजट पर असर डाल रहे हैं, ऐसे में शक्कर के भाव में अचानक हुई बढ़ोतरी ने परेशानी और बढ़ा दी है।उपभोक्ताओं ने शक्कर के बढ़ते दामों को लेकर बाजार में कीमतों की निगरानी किए जाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि कीमतों में बढ़ोतरी के पीछे आपूर्ति संबंधी समस्या, जमाखोरी या अन्य कारण हैं तो संबंधित स्तर पर इसकी जांच की जानी चाहिए। त्योहार के समय आम उपभोक्ताओं को उचित दर पर शक्कर उपलब्ध कराने की मांग भी उठ रही है।

सड़क पर मिट्टी-बोल्डर से आवागमन प्रभावित रहवासियों ने भुगतान से पहले जांच की उठाई मांग



शहपुरा। नगर परिषद शहपुरा के वार्ड क्रमांक-1 में अधूरा पड़ा नाली निर्माण अब सवालियों के घेरे में है। निर्माण कार्य पूरा हुए बिना संबंधित ठेकेदार शिव शक्ति कंस्ट्रक्शन के लंबित बिल के भुगतान की तैयारी की चर्चा ने वार्डवासियों को नाराज कर दिया है।

रहवासियों का कहना है कि जब काम अभी अधूरा है तो भुगतान से पहले निर्माण की वास्तविक स्थिति और गुणवत्ता की जांच क्यों नहीं कराई जा रही है।नाली निर्माण के लिए की गई खुदाई से निकली मिट्टी और बोल्डर सड़क पर ही छोड़ दिए गए हैं। बारिश के बाद मिट्टी पानी के साथ मिलकर

कीचड़ में तब्दील हो गई है, जिससे सड़क पर फिसलन बढ़ गई है। राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार फिसलन के कारण वाहन चालकों के गिरने की घटनाएं भी हो चुकी हैं। रहवासियों का कहना है कि सड़क से मिट्टी और निर्माण सामग्री हटाने के लिए जिम्मेदारों से कई बार शिकायत की गई, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। बारिश के दौरान स्थिति और खराब हो जाती है और लोगों को रोजाना परेशानी उठानी पड़ रही है।वार्डवासियों ने नाली निर्माण की गुणवत्ता की जांच कराने की भी मांग की है। उनका कहना है कि पहले अधूरा कार्य निर्धारित मापदंडों के अनुसार पूरा कराया जाए, मौके पर पड़ी निर्माण सामग्री हटाई जाए और निर्माण की गुणवत्ता की जांच हो। इसके बाद ही ठेकेदार के

इनका कहना है-

मैंने ठेकेदार से अधूरा काम पूरा करने को कहा है। कार्य पूर्ण करवाया जाएगा। कंक्रीट सड़क पर पड़ी मिट्टी बारिश के कारण कीचड़ में बदल गई है, उसे भी जल्द हटवाया जाएगा।

रितिका मेरावी (सब इंजीनियर नगर परिषद शहपुरा)



खबर संक्षेप

मिलावट के विरुद्ध खाद्य विभाग का जांच अभियान जारी



हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशों के परिपालन में खाद्य एवं औषधि प्रशासन मध्यप्रदेश द्वारा जिले में दूध एवं दुग्ध उत्पादों में मिलावट के विरुद्ध जांच अभियान चलाया गया। अभियान के तहत गुरुवार एवं शुक्रवार को संभागीय चलित खाद्य प्रयोगशाला के माध्यम से विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच की गई। नरसिंहपुर में स्टेशन स्थित तृप्ति स्वीट्स, अग्रवाल स्वीट्स एवं नेमा स्वीट्स का निरीक्षण कर पेड़ा, मगज के लड्डू, मावा की बरफी सहित विभिन्न मिठाइयों के नमूने लिए गए।

जिला स्तरीय नर्मदा संवाद प्रशिक्षण सह कार्यशाला आज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष और पद्मश्री मोहन नागर के मुख्य आतिथ्य में 23 अगस्त 2026 को प्रातः 10:30 बजे से मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद और नर्मदा समग्र के संयुक्त तत्वाधान में संवाद योजनांतर्गत जिला स्तरीय नर्मदा संवाद प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन कलेक्टर कार्यालय के द्वितीय तल स्थित सभाकक्ष में आयोजित किया जाएगा। इस दौरान नर्मदा जल ग्रहण क्षेत्र में जैविक एवं प्राकृतिक कृषि, नर्मदा नदी एवं सहायक नदियों का संरक्षण, नर्मदा पथ व नर्मदा परिक्रमावासी और घाट संस्कृति व संरक्षण विषयों पर संवाद किया जाएगा।



हरियाली तीज पर महिलाओं ने सहेजी परंपरा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सर्व ब्राह्मण महिला एकता परिषद एवं राष्ट्रीय महिला जागृति मंच द्वारा हरियाली तीज उत्सव आयोजित किया गया। श्रीमती पूर्णिमा शुक्ला की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में दोनों संगठनों की महिलाओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुरुआत मां पार्वती

और भगवान शिव के पूजन एवं दीप प्रज्वलन से हुई। उत्सव में भूट्टे से बने मीठे और नमकीन व्यंजनों की प्रतियोगिता आयोजित की गई। मीठे व्यंजन में रुक्मिणी डिमोले प्रथम, किरण तिवारी द्वितीय और नीतू साहू तृतीय रहीं। नमकीन व्यंजन में दुर्गा राय प्रथम, नीतू साहू द्वितीय और

भारती रघुवंशी तृतीय स्थान पर रहीं। कार्यक्रम का संचालन मंजु दुबे एवं सुभावना पांडे ने किया तथा आभार अंजलि साहू ने व्यक्त किया। आयोजकों ने कहा कि ऐसे आयोजन ग्रामीणों के साथ स्कूली विद्यार्थियों, किसानों और रोजाना आवागमन करने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के दौरान स्थिति और गंभीर हो जाती है तथा दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।

विद्यार्थी विधिक सहायता समिति गठित



राजेश सक्सेना के सान्निध्य में विधिक सहायता प्रकोष्ठ विधि विभाग नरसिंहपुर द्वारा नवीन विद्यार्थी विधिक सहायता समिति का उद्घाटन सत्र आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र में एल एल बी चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र राजेश चौधरी को संयोजक एवं अभय पटेल को सह संयोजक का पद प्रदान किया गया एवं एल एल बी प्रथम, द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर से दस छात्रों को सदस्य के तौर पर नामित किया गया। सचिव दिनेश मीना द्वारा विधिक सहायता के दायरे को व्यापक स्तर पर बढ़ाने एवं जिला विधिक सहायक अधिकारी राजेश सक्सेना द्वारा ग्रामों में जाकर निःशक्त लोगों को विधिक सेवा के सम्बंध में जागरूक करने एवं उनकी समस्याओं को धरातल स्तर पर निपटाने के लिए प्रयास किए जाने के बारे में छात्रों को प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में वृक्षारोपण का कार्यक्रम भी संचालित किया गया। मंच संचालन साहिल मंसूरी के द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन विधिक सहायता प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ चेतना उपाध्याय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के विधि विभाग के प्राध्यापक एवं छात्रा उपस्थित रहे।

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस स्थानीय पीजी कालेज में प्राचार्य आलोक तिवारी के अध्यक्षता में एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नरसिंहपुर के सचिव दिनेश मीना एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी गोटेगांव। ग्रामीण अंचल की बदहाल सड़कों, क्षतिग्रस्त पुलिया और जर्जर स्कूल भवन की समस्याएं शुकुवार को जनसुनवाई में प्रमुखता से गुंजीं। भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष दुर्गा आर्य ने ग्रामीणों की समस्याओं को जनसुनवाई के माध्यम से अधिकारियों के समक्ष मजबूती से रखा और इनके शीघ्र निराकरण की मांग की। उन्होंने लाठगांव से तिघरा, अतरिया होते हुए गोटेगांव तक सड़क मार्ग की बदहाली का मुद्दा उठाते हुए बताया कि बारिश के कारण सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। इससे ग्रामीणों के साथ स्कूली विद्यार्थियों, किसानों और रोजाना आवागमन करने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के दौरान स्थिति और गंभीर हो जाती है तथा दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। लोक शिक्षण संचालनालय, मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार शासकीय विद्यालयों में उपलब्ध अतिरिक्त

एवं मरम्मत योग्य फर्नीचर के पुनर्वितरण की पहल को शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर ने अनुकरणीय रूप से अमल में

भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष दुर्गा आर्य ने उठाए सड़क, पुलिया और स्कूल की बदहाली के मुद्दे

गोटेगांव। ग्रामीण अंचल की बदहाल सड़कों, क्षतिग्रस्त पुलिया और जर्जर स्कूल भवन की समस्याएं शुकुवार को जनसुनवाई में प्रमुखता से गुंजीं। भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष दुर्गा आर्य ने ग्रामीणों की समस्याओं को जनसुनवाई के माध्यम से अधिकारियों के समक्ष मजबूती से रखा और इनके शीघ्र निराकरण की मांग की। उन्होंने लाठगांव से तिघरा, अतरिया होते हुए गोटेगांव तक सड़क मार्ग की बदहाली का मुद्दा उठाते हुए बताया कि बारिश के कारण सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। इससे ग्रामीणों के साथ स्कूली विद्यार्थियों, किसानों और रोजाना आवागमन करने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के दौरान स्थिति और गंभीर हो जाती है तथा दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।

तिघरा स्कूल के पास टूटी पुलिया, बड़ी परेशानी

जनसुनवाई में तिघरा स्कूल के समीप क्षतिग्रस्त पुलिया का मामला भी प्रमुखता से उठाया गया। पुलिया टूटने के कारण बारिश के दिनों में आवागमन प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों ने पुलिया का स्थायी निर्माण शीघ्र कराने की मांग रखी, ताकि बरसात के दौरान आवागमन सुचारु रह सके।

स्कूल की छत और रसोई से टपक रहा पानी

ग्रामीणों ने शासकीय माध्यमिक शाला अतरिया की जर्जर स्थिति से भी अवगत कराया। स्कूल के कमरों की छत से बारिश का पानी टपकने के कारण विद्यार्थियों को पढ़ाई में परेशानी हो रही है। स्कूल की रसोई भी इससे अछूती नहीं है। यहां पानी टपकने से मध्याह्न भोजन तैयार करने वाली



महिलाओं को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के दौरान स्कूल भवन की यह स्थिति बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा व्यवस्था दोनों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। ग्रामीणों ने स्कूल की छत की मरम्मत

लेते हुए विधायक महेंद्र नागेश ने सड़क, पुलिया और स्कूल भवन से जुड़ी समस्याओं के निराकरण के लिए हरसंभव प्रयास करने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाना प्राथमिकता है। स्कूल भवन की मरम्मत और बच्चों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए भी आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित कराने का प्रयास किया जाएगा। जनसुनवाई में ग्रामीणों की समस्याओं को प्रमुखता से रखने पर ग्रामीणों ने विधायक महेंद्र नागेश और भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष दुर्गा आर्य का आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों को उम्मीद है कि सड़क, पुलिया और स्कूल भवन से जुड़ी समस्याओं पर जल्द ठोस कार्रवाई होगी। अब ग्रामीणों की नजर प्रशासनिक कार्रवाई पर है—सड़क के गड्ढे कब भरेंगे, टूटी पुलिया कब बनेगी और स्कूल की टपकती छत से बच्चों को कब राहत मिलेगी, इसका इंतजार है।

